

3/24 पगापमी प्रकृत। कभील वणि अनु।  
न्यापालप के प्रकारे जाने पर ना ले  
करी ना ही कभील वणि न्यापालप के  
नम्र उपजात हुये। कतः का-वणि शक  
घजिरी शक पेकी से खरिज किज जाय  
है पगापमी विमानुहा दखिल पम्ब  
होगा नः के कत हो

